हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 27 अप्रैल 2026

12 भजन संध्या में दिखा आस्था भक्ति और श्रद्धा का संगम

12 छाजूराम लॉ कॉलेज में हुआ विदाई समारोह

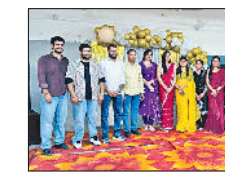

खबर संक्षेप

खेत में बिजली का पोल लगाने को लेकर मारपीट

नारनौंद। क्षेत्र के गांव हैबतपुर में खेत में रास्ते और बिजली का पोल लगाने के विवाद में एक किसान पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घायल किसान राममेहर ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर आरोपियों ने उसे घेरकर मारपीट की और लोहे के रुम्बे से सिर पर वार किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर चार नामजद लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेत के कमरे का ताला तोड़ चार क्विंटल गेहूं चोरी

नारनौंद। क्षेत्र के गांव कोथ कलां के किसान के खेत में बने कमरे का ताला तोड़कर करीब चार क्विंटल गेहूं चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोथ कलां निवासी धर्मबीर ने मिर्चपुर पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि उसने 18 अप्रैल को गेहूं निकालकर खेत में बने कमरे में रखी थी लेकिन 21 अप्रैल को जब वह खेत पर पहुंचा तो कमरे का ताला टूटा हुआ मिला। जांच करने पर करीब चार क्विंटल गेहूं चोरी हुई मिली।

वारंटी की निशानदेही पर एक और गिरफ्तार

हिसार। अग्रोहा पुलिस ने नशा तस्करी के एक मामले में जेल में बंद आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ करते हुए क अन्य मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पीरांवाली निवासी सतनाम के रूप में हुई है।

अग्रोहा थाना प्रभारी प्रवेश कुमार ने बताया कि हाल ही में पुलिस ने अग्रोहा निवासी अजय हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। इस मामले की गहराई से जांच करते हुए पुलिस ने जेल में बंद काबरेल निवासी लखन सिंह को अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लिया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी लखन सिंह से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने खुलासा किया कि इस नशा तस्करी के नेटवर्क में सतनाम सिंह भी शामिल है।

चोरी का मोबाइल खरीदने वाला गिरफ्तार

हिसार। अग्रोहा पुलिस ने मोबाइल चोरी की गुत्थी को सुलझाते हुए चोरी का मोबाइल खरीदने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा मोबाइल भी बरामद कर लिया है।

अग्रोहा थाना प्रभारी प्रवेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में यूपी के बांदा जिले निवासी व्यक्ति ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार वह पिछले 8 वर्षों से गांव कुलेरी के ईंट भट्टे पर ट्रैक्टर चालक के तौर पर काम करता है। उसने बताया कि पिछले वर्ष 29 नवंबर को वह ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर गांव खजूरी से वापस आ रहा था। दोपहर करीब 3 बजे जब वह साबरवास ठेके के पास पहुंचा, तो वहां एक बुलेट मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उसे रोका। युवकों ने किसी को फोन करने के बहाने उसका मोबाइल मांगा। जैसे ही शिकायतकर्ता का ध्यान भटका, दोनों युवक मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गए।

शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों ठगे

हिसार। साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन शेयर मार्किट में इन्वेस्टमेंट टिप्स देने के मामले में धोखाधड़ी के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर लाखों की ठगी का शिकार हुए एक सैन्य कर्मी को पुलिस की तत्परता के चलते 1.27 लाख की राशि वापस मिल गई। सहायक पुलिस निरीक्षक सुरेंद्र के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यह राशि बैंक खाते में होल्ड करवाई थी, जिसे कानूनी प्रक्रिया के बाद पीड़ित के खाते में रिफंड करा दिया गया है। पीड़ित को झांसे में लेकर ठगों ने विभिन्न तारीखों पर अलग-अलग बैंक खातों में कुल 6 लाख 40 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। जब पीड़ित ने पैसे वापस निकालने की कोशिश की।

पहले मारपीट व फिर ट्रक से कुचलने का आरोप

मजदूरी मांगने पर कर डाली ट्रक से कुचलकर हत्या

पुलिस ने हत्या व एससीएसटी एक्ट के तहत दर्ज किया केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिले के गांव तलवंडी बादशाहपुर में ट्रक से कुचलकर एक मजदूर की हत्या कर देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मजदूर ने जब अपनी मजदूरी मांगी तो पहले उसे पीटा गया और फिर ट्रक से कुचलकर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या व एससीएसटी एक्ट के तहत केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

मजदूर अनिल के पिता सत्यवान ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में कहा गया है कि उसके 30 वर्षीय बेटे अनिल ने कुछ समय पहले डॉ. करण के घर मजदूरी का काम किया था। उसके पैसे बकाया थे। बार—बार मांगने पर भी डॉ. करण मजदूरी के पैसे नहीं दे रहा था। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने साजिश रचकर पहले उसके बेटे अनिल से मारपीट की और बाद में ट्रक से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को मारपीट व ट्रक से कुचलने जैसे साक्ष्य मिले, जिस पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

हिसार। युवक की हत्या को लेकर चर्चा करते भीम आर्मी के कार्यकता।

एससीएसटी एक्ट लगाने में आनाकानी का आरोप

भीम आर्मी नेता संतलाल अंबेडकर व अन्य का आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में एससीएसटी एक्ट की धाराएं लगाने में आनाकानी की। बाद में जब भीम आर्मी नेताओं ने विरोध जताया तो पुलिस ने एससीएसटी एक्ट की धाराएं जोड़ी। एडवोकेट संतलाल अंबेडकर ने मांग की है कि सभी दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा में अनुसूचित जाति समाज पर लगातार अत्याचार और हत्याएं हो रही हैं, जो बेहद चिंताजनक है।

कार्रवाई जारी

पुलिस प्रवक्ता ने इस संबंध में बताया कि अनिल की हत्या मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जो भी जिम्मेदार होगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

कॉटन फैक्ट्री में लगी भीषण आग

- लाखों रुपये की मशीनें व तैयार माल जलकर राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

भाटिया कॉलोनी स्थित सेफ सर्जिकल इंडिया कॉटन फैक्ट्री में देर रात शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई, जिससे फैक्ट्री में रखा लाखों रुपए का सामान व मशीने जलकर राख हो गई। फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंच करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि फैक्ट्री में लगी मशीनें और तैयार माल पूरी तरह जलकर राख हो गए। घटना के दौरान फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूरों ने फैक्ट्री परिसर में रखे सामान को बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग की तेज लपटों ने देखते ही देखते पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।खबर लिखे जाने तक प्रशासन द्वारा आग लगने के कारणों की जांच और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

हांसी। फैक्ट्री में आगजनी की घटना के बाद जला पड़ा सामान।

बास बादशाहपुर में 60 एकड़ गेहूं के फानों में आग

नारनौंद। क्षेत्र के गांव बास बादशाहपुर में गेहूं के फानों में आग लगने से काफी किसानों को नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक किसानों के करीब 60 एकड़ फाने जलकर राख हो चुके थे। आग की चपेट में जयबीर मोर के 6 एकड़, दिलबाग के 18 एकड़, सुरता के 16 एकड़, गुड्डु के 6 एकड़, सुमित के 6 एकड़ तथा राजबीर के 8 एकड़ सहित अन्य किसानों के फाने जलकर राख हो गए। किसानों ने सरकार से उचित मुआवजा की मांग की है। आग लगने की सूचना मिलते ही हांसी फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सूचना मिलने पर बास थाना प्रभारी बलवान सिंह भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों के अनुसार आग से पशुओं के चारे के लिए तैयार किया गया फाना जलने से किसानों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है। फाने जल जाने के बाद पशुओं के लिए चूरी बनाने का साधन प्रभावित हो गया है, जिससे किसानों को आगामी दिनों में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। किसानों ने सरकार और प्रशासन से उचित मुआवजा देने की गुहार लगाई है।

फोटो 26 एचएसआर 41 नारनौंद : बास में आग लगने से जले हुए गेहूं के फाने।

साइबर सुरक्षा पर पहलः 'अभेद्य ऐप' व ड्यूल ओटीपी सिस्टम पर विशेष ब्रीफिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आमजन को डिजिटल रूप से सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से जिला पुलिस ने महत्वपूर्ण पहल की है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार तथा पुलिस अधीक्षक हिसार के नेतृत्व मे साइबर इंचार्ज पीएसआई अमित ने सिविल लाइन थाना प्रभारी व अन्य कर्मचारियों को 'अभेद्य ऐप' एवं ड्यूल ओटीपी सिस्टम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर साइबर इंचार्ज ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं, विशेषकर डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाएं तेजी से सामने आ रही हैं। ऐसे में अभेद्य ऐप आम नागरिकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करेगा, जिसमें साइबर सुरक्षा से जुड़े अलर्ट, मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध रहेगी। ड्यूल ओटीपी सिस्टम के बारे में उन्होंने बताया कि यह डिजिटल लेन-देन के दौरान एक अतिरिक्त सुरक्षा परत प्रदान करता है, जिससे धोखाधड़ी की संभावनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

हिसार। 'अभेद्य एप' व ड्यूल ओटीपी सिस्टम की जानकारी देते साइबर प्रभारी अमित।

युवक ने घर में फंदा लगाकर जान दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

बास थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार रात को 40 वर्षीय युवक ने अपने घर में पंखे के फंदे पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान राजीव के रूप में हुई है, जो एक सेवानिवृत्त रोडवेज कर्मचारी का बेटा था। परिजनों ने बताया कि राजीव पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव से जूझ रहा था और शराब का आदी हो चुका था।

सूचना मिलने पर डायल 112 टीम ने मौके पर पहुंच शव को फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मृतक के पिता सुखबीर के बयान पर इत्तेफाकिया मौत की कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों सौंप दिया। नागरिक अस्पताल में मौजूद मृतक राजीव के पिता सुखबीर ने बताया कि उसका बेटा शराब पीने का आदी था और पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव से जूझ रहा था। परिजनों के कई बार समझाने के बावजूद वह नशे की लत नहीं छोड़ पा रहा था। उन्होंने बताया कि राजीव ने शनिवार रात करीब 8 बजे अपने घर में ही फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम, पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए हांसी के नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां रविवार को शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया।

तीन बच्चों की मां ने घर में लगाया फंदा, मौत

हांसी। उपमंडल के गांव उमरा में रविवार सुबह करीब 32 वर्षीय महिला ने घर में लगे पंखे के हुक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान सोनिया के रूप में हुई है जो एक बेटी व दो बेटों की मां थी। सोनिया को पंखे पर लटके देख मृतका की बेटी ने काम पर गए पिता को फोन कर मामले की जानकारी दी। इसके के बाद मृतका सोनिया का पति संजय घर पहुंचा और परिजनों की मदद से सोनिया को फंदे से उतार उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन सोनिया को लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर मृतका के पति संजय उर्फ भागू के बयान पर इत्तेफाकिया मौत की कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले की जांच आरंभ कर दी है।

परिजनों के अनुसार भिवानी के गांव जाटू लुहारी निवासी मृतका सोनिया की शादी क्रीब 15 साल पहले उमरा निवासी संजय उर्फ भागू के साथ हुई थी और शादी के बाद एक लड़की और दो लड़के तीन बच्चे हैं।

बाइक चोरी की चार वारदातों का किया खुलासा

- मुख्य आरोपी और चोरी का माल खरीदने वाला कबाड़ी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

वाहन चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए टीम ने वाहन चोरी की चार वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी को भी पकड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उप निरीक्षक नवीन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर के टाउन पार्क और बस स्टेंड क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी करने वाले मुख्य आरोपी और चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ी को गिरफ्तार कर एक मोटरसाइकिल व तीन मोटरसाइकिल के स्पेयर पार्ट्स बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार हाल ही में न्यू महाबीर कॉलोनी निवासी सुनील कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार हाल ही में 22 अप्रैल शाम को उसकी टाउन पार्क के सामने से बाइक चोरी हो गई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सूचना के आधार पर आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों में चोरी करने वाला दयाल सिंह कॉलोनी हांसी निवासी कुलदीप शामिल है जबकि चोरी का सामान खरीदने वाला कबाड़ी इसी कॉलोनी का सतीश शामिल है। पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी कुलदीप ने कबूल किया कि वह नशे का आदी है और अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए मोटरसाइकिल चोरी करता था। पकड़े जाने के डर से वह बाइकों को काटकर उनके पुर्जे कबाड़ियों को बेच देता था। सुनील कुमार की बाइक का चेसिस और इंजन उसने अपने पड़ोस में रहने वाले कबाड़ी सतीश को मात्र 2000 रुपये में बेच दिया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है।

हिसार। पकड़े गए चोरी के दोनों आरोपी। *फोटो : हरिभूमि*

ये सामान हुआ बरामद

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एक मोटरसाइकिल व तीन मोटरसाइकिलों के स्पेयर पार्ट्स बरामद किए हैं। इनमें से एक मोटरसाइकिल टाउन पार्क के सामने से व तीन मोटरसाइकिल हिसार बस स्टेंड क्षेत्र से चोरी होने बताए गए। पुलिस टीम अब यह जांच कर रही है कि इन आरोपियों ने बस स्टेंड और शहर के अन्य हिस्सों में और कितनी वारदातों को अंजाम दिया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

विद्यार्थियों ने सिक्किम के प्रमुख प्राकृतिक एवं भौगोलिक स्थलों का किया भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा सिक्किम में आयोजित शैक्षणिक भ्रमण अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए न केवल एक शैक्षणिक गतिविधि रहा, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान, सांस्कृतिक अनुभव और जीवन कौशल के विकास का एक महत्वपूर्ण अवसर भी सिद्ध हुआ। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सिक्किम के प्रमुख प्राकृतिक एवं भौगोलिक स्थलों का गहन अध्ययन किया, जिनमें नाथू ला दर्रा, छांगू झील, सिल्क रूट, विशेष रूप से शामिल रहे। इन स्थलों ने विद्यार्थियों को उच्च हिमालयी भू-आकृतिक संरचनाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर प्रदान किया, जिससे उनका सैद्धांतिक ज्ञान और अधिक सुदृढ़ हुआ। इस शैक्षणिक यात्रा के दौरान विद्यार्थियों को सिक्किम के राज्यपाल से मिलने का गौरव प्राप्त हुआ। इस संवाद ने विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाया और उनमें नई प्रेरणा का संचार किया। विद्यार्थियों ने मनन केंद्र, गंगटोक में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेकर स्थानीय संस्कृति, लोकनृत्य एवं परंपराओं को नजदीक से अनुभव किया, जो उनके लिए एक समृद्ध सांस्कृतिक अनुभव रहा। भ्रमण के दौरान सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भारतीय सेना एवं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के अधिकारियों के साथ संवाद ने विद्यार्थियों को देश सेवा, अनुशासन एवं समर्पण के मूल्यों से परिचित कराया। सुरक्षा बलों द्वारा भोजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था ने इस अनुभव को और भी विशेष बना दिया। सिक्किम के स्थानीय प्रशासन के सक्रिय सहयोग से यह सम्पूर्ण भ्रमण अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

हिसार। शैक्षणिक भ्रमण करने वाले विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

हांसी। गश्त के दौरान वाहन की चैकिंग करते पुलिस अधिकारी।

रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने 586 वाहनों की जांच कर 116 के किए चालान

हांसी। जिला पुलिस द्वारा यातायात नियमों की पालना व सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से हांसी पुलिस द्वारा रविवार रात को विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों, बाजारों, मुख्य सड़कों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा सघन जांच की गई। अभियान के दौरान 586 वाहनों की जांच की गई। और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए बिना नंबर प्लेट वाहन के 10 तथा ओवरस्पीड के 13 चालान सहित अन्य यातायात नियमों के तहत 119 वाहनों के चालान किए गए। इस दौरान पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें हेलमेट, सीट बेल्ट, वैध दस्तावेज रखने एवं सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

भाजपा महिलाओं को राजनीति में आगे लाने की पक्षधर

विपक्षी दलों की संकुचित सोच के चलते पास नहीं हो पाया महिला आरक्षण अधिनियम : हर्ष मल्होत्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने महिला आरक्षण संशोधन अधिनियम लागू न होने के पीछे कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों की संकुचित सोच को जिम्मेवार ठहराया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती कि महिलाओं को उनका हक मिले और वे राजनीति में आगे आएं।

केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश मजबूत हाथों में है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश दिन प्रतिदिन तरक्की के रास्ते पर है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समान अधिकार व प्रतिनिधित्व देने की मंशा रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया और नारी शक्ति वंदन अधिनियम पेश किया। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका श्रेय भी नहीं लेना चाहते थे और यही कारण था कि उन्होंने अधिनियम रखते ही विपक्ष से अनुरोध किया कि वे आगे बढ़कर इसे पास करवाएं ताकि महिलाओं को उनका अधिकार मिल सके। मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके व अन्य विपक्षी दलें ने यह अधिनियम केवल इसलिए पास नहीं होने दिया कि उनके परिवार की महिलाओं से निकलकर यह अधिकार आम महिलाओं तक पहुंच जाता। यही नहीं, विपक्ष ने यह भ्रम फैलाने का प्रयास भी किया कि दक्षिण में सीटें कम हो जाएंगी जबकि हर राज्य में जनसंख्या व वोटों के अनुपात के हिसाब से सीटें बढ़नी थी। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने इस अवसर पर कहा कांग्रेस पार्टी को महिलाओं के अधिकारों से कोई सरोकार नहीं है। कांग्रेस कभी नहीं चाहती कि महिलाओं को उनके अधिकार मिले। यही वजह है कि कांग्रेस ने इस अधिनियम को पास नहीं होने दिया।

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा।

पत्रकार वार्ता के दौरान ये रहे मौजूद

जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि पत्रकार सम्मेलन में उपरोक्त के अलावा पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. डीपी वत्स, मेयर प्रवीण पोपली, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, सह प्रभारी विक्रम कासनिया, कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, मंडल अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, पूर्व प्रदेश सचिव सरोज सिहाग, राजकुमार इंदौरा, प्रोमिला पूनिया, सीमा गोदारा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

गांवों के नाम रागों पर आधारित

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में सात्विक प्रेम और विरह

हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

लोकगीत किसी भी समाज की आत्मा होते हैं। जब हम हरियाणा की बात करते हैं, तो अक्सर लोगों का ध्यान यहां की वीरता, कुश्ती के मैदानों की तरफ जाता है। लेकिन, हरियाणवी लोक-साहित्य का एक दूसरा पहलू भी है जो बहुत कोमल, संवेदनशील और सात्विक है। यह वह प्रेम है जिसे हम 'सात्विक' कह

सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई वासना नहीं है, कोई दिखावा नहीं है। यह प्रेम पति-पत्नी के उस अटूट रिश्ते पर आधारित है, जहां समर्पण ही सबसे बड़ा सुख है। आज हम हरियाणवी लोकगीतों के आईने में उस प्रेम और विरह को देखने की कोशिश करेंगे, जो हमारी माटी की असल पहचान है।

हरियाणवी लोकगीतों में विरह केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक अनुभव है। यहां का लोक-मानस प्रकृति के साथ इतना जुड़ा हुआ है कि मौसम बदलते ही मन की अवस्था भी बदल जाती है। जब पिया परदेश में हो, तो सावन की फुहारें या कोयल की कूक किसी कांटे की तरह चुभने लगती है। एक स्त्री जब अपने पिया के वियोग में होती है, तो वह प्रकृति को ही अपना साथी मान लेती है। हरियाणवी लोक-साहित्य में मौजूद 'बारामासा' गीत में एक स्त्री का अपने प्रिय के प्रति सात्विक मोह और समाज की ओर से पूछे जाने वाले सवालों का जवाब देखिए:

आम्बों की ठंडी सी छांह, निंबों नीचे क्यूं खड़ी?
के तेरे पिया परदेस, के तेरी सास बुरी?
उड़ जा रे काले से काग, तन्नै मेरी के पड़ी?
ना मेरे पिया परदेस, ना है मेरी सास बुरी।
आया है साढ़ज मास, आवैं घन घोर कै,
जो घर होत्ते म्हारे लाल, बंगला छुवावते।

इस गीत में स्त्री की जो मर्यादा है, वह काबिले तारीफ है। वह स्त्री अपनी निजी पीड़ा को सार्वजनिक नहीं करती। वह अपनी गरिमा बनाए रखती है। जब मन में विरह की आग जल रही हो, तो बाहर की हर सुरीली चीज़ भी शोर लगने लगती है। कोयल की आवाज़ जो वसंत में लोगों को मोह लेती है, एक विरहिणी के लिए बेचैनी का कारण बन जाती है। यहां लोकगीत की वह गहराई देखिए, जहां वह कोयल से ही संवाद करने लगती है:

मेरे पिया गए परदेस, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।
यो सै मेरे पिया जी का नां, कोयलिया क्यूं बोल्लै सै।
तूं तै काली बणी भगवान, काम्मण उनकी गोरी सै।
मेरे मन म्हं उठैं सै हिलोर, तूं काल क्यूं हो री सै।
तूं तै काले बादल की गैल, उड़ जा री अम्बर म्हं।
बेबे! हम विरहण की रात कटै सै पीहर म्हं।

यहां नायिका को लगता है कि कोयल उसे उसके प्रिय की याद दिलाकर सता रही है। वह कोयल से ही शिकायत करती है कि तू क्यों बोल रही है? क्या तुझे पता है कि मेरे पिया परदेश में हैं? यह लोक-साहित्य का वह जादू है, जहां निर्जीव और सजीव को एक ही धागे में पिरो दिया गया है। पीहर (मायके) में बैठी वह नायिका, अपने पति से दूर है, और उसकी टीस इन शब्दों में साफ़ झलकती है।

पुराने समय में चिट्ठी का आना किसी बड़े आयोजन से कम नहीं था। चिट्ठी में लिखे शब्द प्रियतम की उपस्थिति का अहसास कराते थे। लेकिन उन शब्दों को पढ़ना और फिर रो पड़ना, यह एक विरहिणी की सहज प्रतिक्रिया है। जब सहेलियां घेरा डाल कर पूछती हैं कि जीजा जी ने क्या लिखा है, तो उस बेचारी का हाल देखिए:

बांचत बांचत हुई हाल बेहाल,
आंख्यां तैं आंसू ढारती
हाय री, अभागण नार,
पिया बिन दिन एकली काटती।

हरियाणवी लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे महलों की कहानियां नहीं सुनाते, बल्कि खेतों में पसीना बहाने वाली आम औरत की कहानी सुनाते हैं। यहां का प्रेम भी मेहनत से जुड़ा है। काम के बीच पिया की याद आना, यह दिखाता है कि प्रेम कोई अलग से किया जाने वाला काम नहीं, बल्कि जीने का एक हिस्सा है। देखिए, खेत में काम करती एक स्त्री जब अपने पति से मिलती है:

मेरे पिया की चिट्ठी आई बेबे ए छुट्टी मिलदी ना मूल
सिर पर घड़वा कांधै पै कसौल्ला बेबे हे
ईख नुलावण जांसीसम निच्चै घड़वा तार्या बेबे ए
बीघे का धर लिया घेर सारे सरीर पै तै आया
पसिन्ना बेबे ए मुट्ठी हो गई लाल''

इस गीत में प्रेम का एक व्यावहारिक पक्ष दृष्टिगोचर होता है। पति का आना, काम छोड़ कर उसे लेने जाना, और फिर घर की बातें करना, यह जीवन का सबसे सुंदर दृश्य है। यहां यह दर्शाया गया है कि पति-पत्नी का रिश्ता केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी का आधार भी है। यह सात्विक प्रेम है, जहां पसीने की गंध में भी प्यार की खुशबू है। बुढ़ापे में या तन्हाई में इंसान अपने अतीत की उन छोटी-छोटी बातों को याद करता है जो कभी सामान्य लगती थीं, लेकिन अब बहुत कीमती हो गई हैं। पति-पत्नी का साथ नहाना, साथ खाना, और वो 'मस्त' हो जाना, ये बातें आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गायब होती जा रही हैं। लोकगीत हमें उसी सादगी की याद दिलाते हैं:

ये जुल्मी नैण बुरे कोए दिन याद करो
एक न्हाणा न्हाण आले दो जणैन्हा
न्हा मस्त हुए कोए दिन याद करो
एक खाणा खाण आले दो जणै

कितनी गहरी बात कही गई है! 'जुल्मी नैण' जो उन पुराने दिनों को याद करके दुखी हो रहे हैं। वह समय जब दो लोग साथ खाते-पीते थे और खुश रहते थे। यह प्रेम का वह शुद्ध रूप है, जहां किसी बड़े उपहार की आवश्यकता नहीं थी, बस साथ होना ही काफी था। सुख कहीं बाहर नहीं, बल्कि अपने ही घर में, अपने साथी के साथ बिताए गए पलों में है। हरियाणवी लोकगीतों में नायक और नायिका का संवाद बहुत चतुर होता है। वे सीधे-सीधे बात नहीं कहते, बल्कि गीतों के माध्यम से अपनी बात रखते हैं। यहां देखिए एक नायक जब अपनी नायिका से मिलने का बहाना ढूंढता है, तो वह कैसे अपनी चतुराई और मर्यादा का परिचय देती है:

हो रास्ते में पड़ गयो झील, छैल तेरे आने जाने में
हो तेरा बाप घर पर नहीं, छैल तेरी मय्या बुला रही सै
हो मेरी अम्मां गंगा नीर, नीर के दोष लगावो मत ना
हो तेरा भय्या घर पर नहीं, छैल तेरी भाभी बुला रही सै

यह गीत भारतीय संस्कृति का एक बेहतरीन उदाहरण है। नायक उसे बुलाने के लिए घर के हर सदस्य का नाम लेता है, लेकिन नायिका हर सदस्य को एक पवित्र चीज़ (गंगा नीर, जमुना नीर, कच्चा दूध) से जोड़कर उसे गलत साबित कर देती है। यह प्रेम में भी एक नैतिक मर्यादा का पालन है। यहां कोई वासना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे को परखने और मर्यादा में रहने का एक अनूठा खेल है। हरियाणवी स्त्री का यह 'सतीत्व' और 'मर्यादा' लोक गीतों में ही सुरक्षित है।

हमारे यहां अतिथि को भगवान माना गया है, और जब वह अतिथि स्वयं 'प्रियतम' हो, तो सेवा का भाव और भी बढ़ जाता है। पत्नी अपने पति के लिए किस प्रकार का भाव रखती है, इसे देखिए:

म्हारे बाग का मिसरी मेवा चाख कै नै जाइये
तेरे हाथ की रै माली की रोटी ना भावै
कच्चे पाक्के फल तोड़ै मनै आच्छे ना लागैं
सेठ की सिठाणी पै तेरी रोटी पुआ द्यूंगी

यह केवल भोजन कराने का गीत नहीं है। यह प्रेम की वह पराकाष्ठा है, जहां एक पत्नी अपने पति को रोकना चाहती है। वह उसे अपने बगीचे का मेवा खिलाना चाहती है, उसे आराम देना चाहती है। असल में हरियाणा का लोक-साहित्य प्रेम और विरह को कभी भी रुग्ण या नकारात्मक नहीं मानता। यहां प्रेम केवल एक आकर्षण नहीं है, यह जीवन की एक बड़ी जिम्मेदारी है। पति-पत्नी का रिश्ता, जो इन गीतों का केंद्र है, वह त्याग और समझौते पर टिका है। चाहे वह परदेश जाने का दुःख हो या साथ बिताए पलों की याद, हरियाणवी लोक-गीतों ने इन भावनाओं को शब्दों की ऐसी माला में पिरोया है कि वे सदियों बाद भी ताजी लगती हैं। इन गीतों में वर्णित नायिका अबला नहीं है, वह एक सबल स्त्री है जो अपने परिवार के प्रति संवेदनशील है, अपनी मर्यादा के प्रति सजग है और अपने प्रियतम के प्रति समर्पित है।

अंत में, यही कह सकते हैं कि हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।

हरियाणवी लोक गीतों में जो सात्विक प्रेम और विरह का वर्णन है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह धरोहर हमें बताती है कि कैसे जीवन को सादगी से जीना है और कैसे रिश्तों को बिना किसी दिखावे के, केवल प्रेम और विश्वास से सींचना है। ये लोकगीत हमारे इतिहास के वो पन्ने हैं जिन्हें अगर हम मिटने देंगे, तो हम अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए, इन गीतों का गायन और इनका चिंतन, हमारे लिए एक सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। हरियाणवी लोक-साहित्य का यह 'सात्विक प्रेम' सदा जीवंत रहे, यही कामना है।

गजल | रामफल गौड़

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी

हिम्मत करकै छोड़ उदास्सी।
हांस हांस कै ले स्याबास्सी ।

इब इतिहास नवा लिखणा सै,
कथा पुराणी होल्यी बास्सी ।

अरधसरीरी नार सदा की,
मूरख कहण लगे थे दास्सी ।

करदे आच्छा काम कदे बी,
के मावस सै के पणवास्सी ।

भांड्डा फुट्टै च्योड़ै काल्लर,
कै दिन चाल्लैगी बदमास्सी ।

बण्या कैरियर जी की बाज्जी ,
करोंत पड़ै सै लेणा कांस्सी ।

आवैं बाळक ईब मिलण न्यूं,
पंछी हों ज्युक्कर परवास्सी।

सदा चालिए चाल आपणी,
नकल करण तै होसै हांस्सी।

कड़ै छणैं सैं दूध अर नीर,
हंस जड़ै आवैं फरमास्सी।

देख कुढंग गाम के रामफळ ,
लोग बणे इब सैह्र निवास्सी ।

रागिनी | भूपसिंह 'भारती'

मतना काटो पेड़ां नै

मतना काटो पेड़ां नै, न्यू कहरी बेटी थारी।
शुद्ध हवा हमनै दे कै, रखवाली करते म्हारी।।

लालच के चक्कर म्हा थम, कती नहीं शर्माए,
पाच्छै पड़ रहे पेड़ा कै, ये जंगल काट भगाये,
जै ये पेड़ नहीं बचाये, ना बचै ये दुनियादारी।

धरती का सिंगार करै, करकै ये हरियाली,
बरखा नै ये ले कै आवै, ल्यावै सै खुशहाली,
जंगल करो नहीं खाली, पेड़ा पै धरकै आरी।

धरती मां के घने लाडले, जन्म जन्म के साथी,
पर्यावरण शुद्ध करकै, ये बणते सदा हिमाती,
लूएं रोकै ताती ताती, दे सीली छाया प्यारी।

मीठे मीठे फल देवै, ये देवै भोजन पाणी,
पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ, कहै बात या बेटी याणी,
समझ 'भारती' बात या स्याणी, फेर खिलै फुलवारी।
मतना काटो पेड़ा नै, न्यू कहरी बेटी थारी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

परिवेश | आज के दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता

चौपाल की गूंज से डिजिटल मौन तक

बदलाव | सरिता

हरियाणा की माटी की खुशबू केवल खेतों की सौंधी सुगंध में नहीं, बल्कि उन अनकहे रिश्तों और सांस्कृतिक ताने-बाने में रची-बसी थी, जो कभी गांवों की पहचान हुआ करते थे। आज जब हम हरियाणा के ग्रामीण परिवेश को देखते हैं तो पाते हैं कि यह बदलाव एक संपूर्ण 'जीवन-दर्शन' का रूपांतरण है।

कभी जो चौपालें गांव का हृदय हुआ करती थीं, आज वहां सन्नाटा पसरा है और भौतिक विकास की चकाचौंध के बीच मानवीय संवेदनाओं का अर्थ बदल गया है। कुछ दशकों पहले तक, हरियाणा के गांवों में 'भाईचारा' केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक ढंग था। गांव की चौपाल महज ईंट-पत्थर का एक ढांचा न होकर गांव का 'सुप्रीम कोर्ट' और 'सांस्कृतिक केंद्र' थी। शाम ढलते ही चौपाल पर जो चर्चाएं होती थीं, उनमें राजनीति से लेकर सारे गाँव का सुख-दुःख, लोक-कला और रागनियों की समीक्षा तक शामिल होती थी। उस दौर में गांव की हर खुशी और हर गम साझा होता था। फसल की कटाई हो या किसी के घर विवाह, पूरा गांव एक परिवार की तरह खड़ा होता था। कुंओं की जगत पर महिलाओं का मिलना और लोकगीतों के माध्यम से सुख-दुख साझा करना, एक ऐसा 'सोशल नेटवर्क' था जो आज के डिजिटल युग से कहीं अधिक मजबूत था। आपको याद है ना .... 'मेरे सिर पै बंटा टोकणी' और 'पाणी लेण मैं तो कुंए पै गयी थी' ये लोकगीत शाम को कानों में पड़ते थे तो दिनभर की थकान दूर हो जाती थी। उस समय की भाषा में मिठास थी और व्यवहार में 'मान-मर्यादा' का

भाव था। व्यक्ति अपनी पहचान से अधिक अपने गोत्र और गांव की प्रतिष्ठा के प्रति समर्पित रहता था। वहां तर्क के साथ-साथ 'लोक-विवेक' को अधिक महत्व दिया जाता था। समय का पहिया घूमा, तो ग्रामीण हरियाणा का भौतिक स्वरूप तेजी से बदलने लगा। कच्चे घरों की जगह कंक्रीट के बहुमंजिला मकानों ने ले ली। इस निर्माण के साथ ही 'आंगन' सिमट गए। संयुक्त परिवार, जो सुरक्षा और संस्कारों के संवाहक थे, एकल परिवारों में टूट गए। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी बड़ा बदलाव आया। खेती के साथ पशुपालन और पारंपरिक हस्तशिल्प की महत्ता कम होती गई। युवा पीढ़ी का झुकाव शहरों की ओर बढ़ा, जिससे गांवों में 'बुजुर्गों का अकेलापन' एक नई चुनौती बनकर उभरा। जो चौपाल कभी विचारों के आदान-प्रदान का केंद्र थी, वहां अब केवल बुजुर्गों की यादें शेष बची हैं या फिर वह केवल चुनाव के समय राजनीतिक अखाड़ा बन गई हैं। आज का ग्रामीण परिवेश एक अजीब से द्वंद्व में जी रहा है। एक तरफ भौतिक सुख-सुविधाएं हैं तो दूसरी तरफ मानसिक तनाव। मोबाइल और सोशल मीडिया ने गांव को वैश्विक दुनिया से तो जोड़ दिया है, लेकिन पड़ोसियों से दूरी भी बढ़ा दी है। अब लोग एक ही गांव में रहते हुए भी एक-दूसरे से डिजिटल तरीके से जुड़े हैं, लेकिन आमने-सामने बैठकर 'दिल की बात' करने का वक्त कम हो गया है। सबसे बड़ा बदलाव भाषा और संस्कारों में आया है। हरियाणवी बोली, जो अपनी ओजस्विता के लिए जानी जाती थी, वह आज अपनी शुद्धता खो रही है।

नई पीढ़ी के लिए लोक-साहित्य और रागनियों का स्थान अभद्र गीतों और फूहड़ता परोसती वेब सीरीज ने ले लिया है। सोशल मीडिया पर अश्लील और द्विअर्थी संवादों को लेकर सामग्री परोसकर लाइक और व्यूज बटोरते बुजुर्ग, महिलाएं तथा बच्चे बहुसंख्या में देखे जा सकते हैं। संस्कारों का वह ढांचा, जो नैतिकता और बड़ों के प्रति सम्मान पर टिका था, वह अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। जब हम इन दो युगों की तुलना करते हैं, तो यह कहना कठिन है कि परिवर्तन पूरी तरह नकारात्मक है। आज का ग्रामीण हरियाणा अधिक शिक्षित है, जागरूक है और आर्थिक रूप से सशक्त भी। प्रश्न यह है कि क्या हमने विकास की दौड़ में अपनी जड़ों को सुरक्षित रखा है? प्राचीन हरियाणा में जो 'सामूहिकता' थी, वह आज की 'वैयक्तिकता' में कहीं खो गई है। पहले जहां व्यक्ति 'गांव का हिस्सा' था, वहीं आज वह 'दुनिया का नागरिक' बनने की होड़ में है। इस दौड़ में सबसे बड़ी क्षति 'लोक-स्मृतियों' की हुई है। दादा-दादी की कहानियों से मिलने वाले संस्कार और चौपालों पर मिलने वाले व्यावहारिक ज्ञान का स्थान अब गूगल और एआई ने ले लिया है।

हरियाणा के बदलते परिवेश को नकारना असंभव है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। लेकिन सांस्कृतिक विस्थापन को रोकना हमारे हाथ में है। अगर हम उस सोच को, उस भाईचारे को, और उस लोक-चेतना को अपने जीवन में फिर से स्थान दे सकें, तो हम आधुनिकता के साथ-साथ अपनी जड़ों को भी जीवित रख पाएंगे। दरअसल आज के बदलते दौर में गांव को 'स्मार्ट' बनाने के साथ-साथ हमें उसे फिर से 'संवेदनशील' बनाने की आवश्यकता है। क्योंकि अंततः, एक समाज की असली पहचान उसके कंक्रीट के जंगलों से नहीं, बल्कि उस भाईचारे से होती है जो मुश्किल घड़ी में एक-दूसरे के काम आता है।

सांस्कृतिक विरासत के सजग प्रहरी हैं मुकेश काले

कलाकार | अंकुर शर्मा

हरियाणा की माटी और यहां की आबोहवा में रची-बसी रागनियों ने न केवल इस प्रदेश को वैश्विक स्तर पर पहचान दी है, बल्कि सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत रखा है। जब हम हरियाणा के लोक रंग की चर्चा करते हैं, तो अक्सर हमारा

ध्यान पुराने दौर के गायकों पर जाता है, लेकिन वर्तमान समय में रेवाड़ी जिले के एक युवा कलाकार ने आधुनिकता और परंपरा के बीच एक ऐसा सेतु बनाया है जिसने सबको अचंभित कर दिया है। यह नाम है-मुकेश काले। मुकेश काले, जिनका मूल नाम मुकेश जांगड़ा है, का जन्म 29 नवंबर, 1999 को हरियाणा के रेवाड़ी जिले के एक छोटे से गांव देहलावास गुलाबपुरा में हुआ।

इनके पिता श्री हरिप्रकाश और माता आशा देवी ने बचपन से ही उन्हें संस्कारों की घुट्टी पिलाई। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े काले का मन बचपन से ही चौपालों में होने वाली भजन मंडलियों और रागनियों में रमता था, जहां वे गांव की मंडलियों और जागरणों का हिस्सा बनते थे।अक्सर यह माना जाता है कि उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में जाने के बाद युवा अपनी जड़ों से कट जाते हैं, लेकिन काले ने इस धारणा को गलत साबित किया। उन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थान एनआईटी, कुरुक्षेत्र से बी.टेक. की डिग्री हासिल की और वर्तमान में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में एक

इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। कार्यक्षेत्र की व्यस्तताओं के बावजूद, उनके भीतर का कलाकार निरंतर सक्रिय रहा है। काले की गायकी की जड़ें उन दिग्गजों के सान्निध्य में गहरी हुई हैं, जिन्होंने रेडियो और सांग के माध्यम से हरियाणा की लोक कला को जीवित रखा। वे प्रेम सिंह देहाती, रेडियो कलाकार गुलाब सिंह खांडेवाल, निरंजन सांगी और गढ़वा लाइन के मास्टर सतबीर पालेराम दहिया को अपना आदर्श मानते हैं और लंबे समय तक उन्हें ही सुन-सुनकर सीखा है। उनकी लोकगीतों की ओर रुचि तब जगी, जब उन्होंने अनुभव किया कि पंडित लखमीचंद ने अपनी प्रसिद्ध रागनियों की धुनें लोकगीतों से ही प्रेरित होकर बनाई थीं। आज 'कइयो री खाती के लड़के ने', 'राम-लक्ष्मण दशरथ के बेटे' और 'दादा इस जांदे परदेस जाइये' उनके सबसे प्रिय लोकगीत हैं। मुकेश काले की सबसे बड़ी पहचान उनकी 'मोमेंटरी' गायकी है, जो किसी वाद्य यंत्र की मोहताज नहीं है। वे अक्सर एक साधारण मेज, स्कूल की बेंच या केवल अपने हाथ की थाप से ही वह लय पैदा कर देते हैं, जिसे सुनने के लिए लाखों लोग उनके सोशल मीडिया हैंडल पर उमड़ पड़ते हैं। उनका मानना है कि लोक संगीत लोगों के द्वारा, लोगों के लिए और लोगों के बीच ही जन्म लेता है। वे तर्क देते हैं कि जैसे कुम्हार बर्तन बनाते हुए या माताएं स्वेटर बुनते हुए गाती हैं, उन्हें किसी साज़ की ज़रूरत नहीं होती। संगीत अगर आपके भीतर है, तो वह कंप्यूटर पर काम करते हुए टेबल की थाप से भी प्रकट हो सकता है। उनकी इसी मौलिकता के कारण आज इंस्टाग्राम पर 62,000 और फेसबुक पर 36,000 से अधिक अनुयायी उनसे जुड़े हैं। काले केवल एक गायक ही नहीं, बल्कि एक गंभीर शोधार्थी भी हैं। वे उन 50-60 कवियों की रचनाओं को मुख्यधारा में लाना चाहते हैं जो समय के साथ दादा लखमीचंद और मांगेराम जैसे दिग्गजों के प्रभामंडल में कहीं ओझल हो गए। मुकेश काले इन विस्मृत रचनाओं पर निजी तौर पर शोध कर रहे हैं ताकि उन्हें पुनर्जीवित किया जा सके। उनका मुख्य ध्येय हरियाणा के 'लोक संगीत' को वैश्विक पहचान दिलाना है। वे भविष्य में एक 'हरियाणवी लोक बैंड' बनाने की दिशा में भी अग्रसर हैं, जो पारंपरिक रागनियों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जा सके।'

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी भाषा को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष हरियाणा का 'स्वर्ण जयंती गीत' प्रस्तुत कर चुके काले सिद्ध कर रहे हैं कि आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों को छोड़ना नहीं है। एक इंजीनियर की तार्किक बुद्धि और एक लोक कलाकार का संवेदनशील हृदय जब साथ मिलते हैं, तो मुकेश काले जैसी प्रतिभा का जन्म होता है। आज के 'अपसंस्कृति' के दौर में वे हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना के एक मजबूत स्तंभ हैं। उनकी यह यात्रा उन तमाम युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अपनी संस्कृति को 'पिछड़ा' मानकर उससे दूर भागते हैं।

मुकेश का सबसे बड़ा ध्येय पूर्णतः 'हरियाणवी' बनना है। वे सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी बोली को उसी मूल ध्वनि और उच्चारण में लिखना सीख रहे हैं, जैसा हम बोलते हैं, ताकि 'जेन-जी' पीढ़ी अपनी मातृभाषा की विशिष्टता को समझ सके।

खबर संक्षेप

भगवान वेंकटेश की सवारी शोभा यात्रा निकली

हिसार। अध्यात्म का प्रचार-प्रसार करने में जुटे तिरुपति बालाजी धाम में भगवान वेंकटेश का अभिषेक करके सवारी शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली गई। पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना करके पूरी आस्था के साथ अभिषेक किया गया और नियमानुसार मंत्रोच्चारण के साथ स्वामी नारायणाचार्य महाराज के सानिध्य में भगवान वेंकटेश के विग्रह को रथ पर स्थापित पालकी में विराजमान किया गया। इनके साथ ही माता श्रीदेवी व माता भूदेवी के विग्रह भी शोभायमान किए गए।

ओशो ध्यान उपवन में सत्संग में किए प्रवचन

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित मेडिटेशन व सत्संग में काफी संख्या में साधकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान साधकों ने ध्यान विधियां सीखकर उनका अभ्यास किया और सत्संग सुनकर सही संगत का महत्व समझा। मेडिटेशन व सत्संग के आयोजक स्वामी संजय व मां सांची ने कहा कि आध्यात्मिक व मानसिक शांति के लिए ध्यान व सत्संग अत्यंत लाभकारी है।

किसानों कर कन्वेंशन में होगी आंदोलन की घोषणा

हिसार। बाढ़, जलभराव व सेम से प्रभावित इलाकों में पानी की निकासी के स्थाई प्रबंधों की मांग और इससे प्रभावित किसानों के बकाए मुआवजे की मांग पर 27 अप्रैल को हिसार की जाट धर्मशाला में राज्य स्तरीय कन्वेंशन की जाएगी। कन्वैंशन में आंदोलन की घोषणा की जाएगी।
किसान सभा के जिला प्रधान कपूर सिंह बगला, सचिव सरबत सिंह पूनिया व कोषाध्यक्ष दिनेश सिवाच ने बताया कि पिछले साल अत्यधिक बारिश और प्रशासनिक और सरकार की लापरवाही के चलते हरियाणा के कई जिले बाढ़ ग्रस्त हो गए थे।

दीवार पर फूलों की पेंटिंग बनाकर सुंदर रूप दिया

हिसार। शहर को सुंदर, स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने के प्रयास के तहत 'हमारा प्यार–हिसार' की टीम ने रविवार को राजगढ़ रोड पर स्थित बिजली निगम की बाहरी दीवार पर फूलों की आकर्षक कलाकृतियां बना कर उसे सुंदर रूप से सजाया। इस दीवार पर पिछले सप्ताह पेंट का कार्य किया गया था। अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. सुरेंद्र गर्ग, डॉ. मंगलसेन मलिक, अदेश मलिक, डॉ. बीबी बांगा, जितेंद्र बंसल, हरीशचंद्र, रश्मि मेहता, सचिन, सुहासिनी आदि रहे।

मजदूर दिवस मनाने की तैयारी में जुटे कर्मचारी

हिसार। अंतरराष्ट्रीय मज़दूर दिवस हर वर्ष एक मई को पूरे विश्व में मज़दूर संगठन एक पर्व के रूप में मनाते हैं। जनसंघर्ष, लोकतांत्रिक प्रणाली के अनुसार उद्देश्य, रैली, सांस्कृतिक सम्मेलन आदि के माध्यम से इसे मनाया जाता है। मज़दूर दिवस 2026 के उपलक्ष्य में हिसार में भी जगह-जगह तैयारियां की जा रही हैं।

पक्षियों के लिए सकोरे बांधने का काम शुरू

बरवाला। भीषण गर्मी के चलते पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से लायंस क्लब बरवाला सिटी की ओर से एक सराहनीय अभियान चलाया जा रहा है। क्लब के सदस्यों द्वारा शहर व आसपास के क्षेत्रों में गौशाला, श्मशान भूमि तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए सकोरे बांधे जा रहे हैं। प्रोजेक्ट चेयरमैन शिव कुमार कौशिक व रणधीर सिंह धीरू ने बताया कि गर्मी के मौसम में जल स्त्रोत सूखने के कारण पक्षियों को पानी के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अभियान के तहत सकोरे बांधकर उनमें नियमित रूप से पानी भरने की व्यवस्था भी की। साथ ही, आमजन से भी अपील की गई कि वे इन सकोरों में पानी भरने में सहयोग करें।

पूर्व मंत्री संपत सिंह ने सांसद के इस्तीफे की उठाई मांग

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा की टिप्पणी का विरोध, समर्थकों ने जताई आपत्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पंचकूला नगर निगम चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा द्वारा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी भजनलाल के खिलाफ की गई टिप्पणी पर विवाद बढ़ने लगा है। बिश्नोई समाज ने जहां इस पर कड़ा विरोध जताया है वहीं विपक्ष भी भाजपा सांसद को निशाने पर ले रहा है। स्व. चौधरी भजनलाल के पुत्र पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने एक्स पर कड़ी पोस्ट डाली है वहीं उनके पुत्र पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने भी इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी भजनलाल पर की गई रेखा शर्मा की टिप्पणी के विरोध में यहां के बिश्नोई मंदिर में प्रधान जगदीश कड़वासरा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में रेखा शर्मा पर झूठे व निराधार शब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा गया कि ससे न केवल बिश्नोई समाज बल्कि अन्य 36 बिरादरी के लोगों की भावना को गहरी ठेस पहुंची है।

रेखा शर्मा पर झूठे व निराधार शब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाया

हिसार। बिश्नोई मंदिर में बैठक करते बिश्नोई समाज के पदाधिकारी।

ये सभाएं रही उपस्थित

बैठक में बिश्नोई सभा हिसार के अलावा अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के वरिष्ठ उप प्रधान सुभाष देहडू, बिश्नोई सभा फतेहाबाद के प्रधान संजय खीचड़, बिश्नोई सभा के टोहाना के प्रधान बलदेव लोमरोड, बिश्नोई सभा आदमपुर के प्रधान राजा राम खीचड़, बिश्नोई सभा सिवानी के प्रधान कुलदीप देहडू, बिश्नोई सभा कुरुक्षेत्र के प्रधान आत्माराम पूनिया, अखिल भारतीय गुरु जंभेश्वर कर्मचारी कल्याण समिति के प्रधान निहाल सिंह गोदारा, जीव रक्षा प्रधान चंद्र सारण आदि के पदाधिकारी व कार्यकर्ता रहे।

बैठक में ये लिया निर्णय

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सांसद रेखा शर्मा की टिप्पणी के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली एवं जिलाध्यक्ष आशा खेदड़ को ज्ञापन देकर सांसद रेखा शर्मा के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की जाएगी।

सांसद रेखा शर्मा की टिप्पणी अमर्यादित

इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व मंत्री प्रो. संपत सिंह ने भाजपा राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ. भजनलाल पर की कई टिप्पणी को अमर्यादित व एक धरोहर का अपमान बताया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में भाजपा या रेखा शर्मा केवल सफाई देकर बच नहीं सकतीं।

बयान निंदनीय

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी भजनलाल के पौत्र एवं पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने भी अपने दादा के खिलाफ की गई टिप्पणी पर रोष जताया है। उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ नेता का ऐसा बयान देना निंदनीय है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए यहां तक कह दिया कि बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर विरोध जताएंगे।

विरोध किया

नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने रेखा शर्मा की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि वे इस मामले को मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और केंद्रीय नेतृत्व के सामने उठाकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। इस तरह की टिप्पणी करने से पहले सोचना चाहिए था। पूरे देश में चौधरी भजनलाल और बंसीलाल को लेकर लोगों में गहरी श्रद्धा है।

तुरंत प्रभाव से सार्वजनिक माफी मांगें

पूर्व चेयरमैन नरेश जांगड़ा ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी भजनलाल को लेकर भाजपा की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा द्वारा दिया गया बयान अत्यंत निंदनीय, निराधार एवं मर्यादा के विपरीत है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भाजपा पर बार

पार्षद प्रतिनिधि अनिल शर्मा ने आरोप लगाया है कि सत्ता के घमंड में चूर भाजपा के मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक और सांसद अब मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं।

हम समंदर हैं

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी भजनलाल के छोटे बेटे और भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई ने भी अपना विरोध जताया है। कुलदीप ने सोशल मीडिया हेंडल एक्स पर बिना किसी का नाम लिए लिखा है, "हम समंदर हैं, हमें खामोश रहने दो, जरा मचल गए तो शहर ले डूबेंगे।"

हिसार। क्रांतिमान पार्क में सामान उतारते हुए व गर्मी को देखते हुए रखे गए पंखे।

छात्र पंचायत करने पर अड़ी जजपा प्रशासन ने नहीं दी इसको मंजूरी

- इनसो नेता बोले, तीन दिन पहले दी एप्लीकेशन, ऑब्जेक्शन नहीं आया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पिछले दिनों जन नायक जनता पार्टी के कुछ नेताओं पर केस दर्ज करने व उनकी गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी की ओर से सोमवार को शहर के क्रांतिमान पार्क में रखी गई छात्र महापंचायत को प्रशासन की मंजूरी नहीं मिली है। दूसरी तरफ जजपा छात्र महापंचायत करने पर अड़ी है और उसकी तैयारियों जारी है। रविवार को पूरा दिन क्रांतिमान पार्क में छात्र महापंचायत के लिए सामान लगाया गया। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि कार्यक्रम की मंजूरी के लिए कोई आवेदन नहीं आया है, वही, जजपा नेता कह रहे हैं कि एसडीएम कार्यालय में तीन दिन पहले ही कार्यक्रम की सूचना दी गई थी। वहां से अभी तक कोई ऑब्जेक्शन की सूचना नहीं आई है। इनसो के राज्य प्रधान दीपक मलिक का कहना है कि चुनाव में ही कार्यक्रम की मंजूरी की इजाजत होती है। यह छात्रों की महापंचायत है, इसके लिए अगर परमिशन नहीं भी दी गई तब भी कार्यक्रम होगा।

पुलिस ने भी कार्यक्रम को देखते हुए लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। किसी भी तरह की शांति भंग होने की आशंका के चलते पुलिस अलर्ट है। पुलिस का कहना है कि शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

नीतियों की निंदा

हिसार। हिसार में संयुक्त छात्र मोर्चा की बैठक हुई। बैठक में शासन प्रशासन के दमनकारी निर्णयों की कड़ी निंदा की गयी। साथ ही 27 अप्रैल को हिसार में होने वाली छात्र हित महापंचायत में बढ़ चढ़कर भाग लेने का निर्णय लिया गया। बैठक में इनसो के प्रदेशाध्यक्ष दीपक मलिक, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष रोहित दलाल, प्रदेश सचिव अर्जुन सिंह, डॉ. अम्बेडकर स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व प्रधान संजू बौद्ध, प्रोग्रेसिव स्टूडेंट फ्रंट के प्रदेशाध्यक्ष सतीश, हकृवि के छात्र नेता मनोज सिवाच, आम आदमी पार्टी की स्टूडेंट विंग एएसएपी के प्रदेशाध्यक्ष दीपक धनखड़, छात्र एकता मोर्चा, अम्बेडकर मिशनरी विद्यार्थी एसोसिएशन के सुरेन्द्र पंवार, एसएफआई, इंकलाब स्टूडेंट फेडरेशन, इंडिपेंडेंट यूथ फ्रंट, छात्र एकता मंच, आल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट आर्गेनाईजशन के प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

किसान नेत्री दमयंती पूनिया का निधन गांव में किया गया अंतिम संस्कार

- गांव लाडला में किया गया अंतिम संस्कार, काफी लोग रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौंद

दमयंती पूनिया। (फाइल फोटो)

लाडवा गांव निवासी किसान नेत्री दमयंती पूनिया का बीमारी के बाद निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गांव लाडवा में किया गया। उनके निधन पर अनेक समाजसेवी संस्थाएं ओर नेताओं ने गहरा शौक प्रगट किया है। उनके छोटे बेटे रणधीर पूनिया ने बताया कि उनकी माता 97 वर्षीय दमयंती पूनिया पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थी। शनिवार की शाम को उन्होंने घर पर ही अंतिम सांस ली। रविवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। उन्होंने जाट आरक्षण और किसान आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई, वहीं वे आसपास में अनेक सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेती थी। वो अपने पीछे भरा भूरा परिवार छोड़कर गई हैं। बड़ा बेटा राजबीर पूनिया, बिमला देवी, कृष्णा देवी, शकुंतला देवी ओर सबसे छोटे बेटे रणधीर पूनिया है। वरिष्ठ पत्रकार सुनील मान उनके दोहते है।

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने जताया शोक

उनके निधन पर पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व रजिस्ट्रार डा. राजबीर, युवा नेत्री सोनिया दुहन, इनेलो के राष्ट्रीय प्रवक्ता उमेद लोहान, भाजपा जिला महामंत्री बिजेंद्र लोहान, पूनिया खाप से शमशेर पूनिया, कालीरामण खाप के प्रधान कर्मवीर सिंह, हांसी बार एसोसिएशन के प्रधान पवन रापड़िया, चेयरमैन शमशेर मोर, चेयरमैन मास्टर उदय सिंह लोहान, सतरोल खाप से मास्टर फूल कुमार पेटवाड़ सहित अनेक सामाजिक संगठनों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी कमी हमेशा खलती रहेगी।

पुलिस लाइन में की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

हिसार। शहर के प्रतिष्ठित आधार अस्पताल की ओर से पुलिस लाइन स्थित पुलिस कैंटीन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं एवं परामर्श प्रदान करना रहा। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश पूनिया, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. कुणाल नारंग, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नूपुर शामिल रहे। चिकित्सकों ने बच्चों, महिलाओं, हड्डी रोग एवं हृदय व सामान्य रोगों से संबंधित मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिया।

अग्रोहा में टैक्सटाइल हब व इंडस्ट्रीज जोन बनाए सरकार : बजरंग गर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग समाज के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए।

वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की बैठक अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। बैठक में हैदराबाद, अहमदाबाद, पुणे, दिल्ली व यूपी से आए हुए समाज के प्रतिनिधियों ने विशेष तौर पर भाग लिया। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश व प्रदेश में अग्रोहा धाम की इकाइयों का विस्तार किया जा रहा है। अग्रोहा धाम महाराजा अग्रसेन जी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए काम कर रहा है। महाराजा अग्रसेन जी ने अपने राज्य में समाजवाद को बढ़ावा देते हुए हर जरूरतमंद को ऊंचा उठाने का काम किया और गरीबों की मदद करने का काम किया। उ सरकार अगर अग्रोहा में टैक्सटाइल हब व इंडस्ट्रीज जोन बनती है तो देश के कोने-कोने से वैश्य समाज के व्यापारी अग्रोहा में करोड़ों व अरबों रुपए का पूंजी निवेश करने के लिए तैयार है। सरकार को अग्रोहा के विकास की तरफ ध्यान रखते हुए तुरंत प्रभाव से व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए जरूरी कदम उठाने की जरूरत है।

हरियाणा अस्मिता सब-जूनियर हॉकी लीग के फाइनल में

हिसार। फाइनल में प्रवेश करने वाली हरियाणा टीम कोच कोच अजय शर्मा के साथ।

- पेनल्टी शूटआउट में उड़ीसा को हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा ने अस्मिता सब-जूनियर हॉकी लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। रविवार को ग्वालियर में आयोजित चतुर्थ अस्मिता सब-जूनियर हॉकी लीग के खेले गए पहले सेमिफाइनल मैच में हरियाणा ने उड़ीसा को शूटआउट में 3-2 से हराकर फाइनल में अपनी दावेदारी पक्की की। हरियाणा टीम के कोच अजय शर्मा ने बताया कि निर्धारित समय में दोनों ही टीमें बराबरी पर रही। मैच के निर्णय के लिए पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया जिसमें हरियाणा ने उड़ीसा को 3-2 से पछाड़ कर फाइनल में प्रवेश किया। हरियाणा की और से भव्या, दुर्गा और रितिका ने गोल किए।

हेल्थ कैंप में जांचा मरीजों का स्वास्थ्य

- वेदा अस्पताल ने किया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। कैंप में मरीजों की जांच करके उन्हें परामर्श देते चिकित्सक।

वेदा अस्पताल, हिसार की ओर से हरिकोट गांव की अनुसूचित जाति धर्मशाला में निशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस कैंप में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई और विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। कैंप में छाती, शुगर, गुर्दा एवं थायराइड रोगों की विशेषज्ञ डॉ. वनीता गोयल (एमबीबीएस) ने मरीजों की जांच की और उन्हें उचित सलाह दी। इस दौरान मरीजों के लिए बीपी, ईसीजी एवं ब्लड शुगर की निःशुल्क जांच की गई, वहीं स्पाइरोमीटर द्वारा सांस की जांच पर 50 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की गई। कैंप में खांसी, जुकाम, बुखार, एलर्जी, पुरानी खांसी, पेट दर्द, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, थायराइड, डायबिटीज, किडनी रोग सहित टीबी, एचआईवी-एड्स और दमा जैसी बीमारियों की जांच व परामर्श दिया गया। वेदा अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य कैंप का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय पर सही उपचार उपलब्ध कराना है। कैंप में आए लोगों ने इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजन की अपेक्षा जताई।

निःशुल्क नेत्र जांच कैंप लगाया

हिसार। श्री रानी दादी मंगालीवाला मल्टीस्पेशलिटी चैरिटेबल अस्पताल, हिसार की ओर से बुरे गांव में निशुल्क आंखों का स्वास्थ्य कैंप आयोजित किया गया। इस कैंप में सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी आंखों की जांच करवाई। अस्पताल की विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने न केवल आंखों की जांच की, बल्कि ब्लड प्रेशर (बीपी) और शुगर की भी जांच की गई। जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं। मदद जवान किसान गौसेवा समिति के सक्रिय सदस्य ओर जिला पार्षद प्रतिनिधि अनिल शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांव में इस प्रकार के कैंप लगने से उन्हें शहर जाने की परेशानी से राहत मिलती है।

बीड़ बबरान धाम के ताली कीर्तन में उमड़े श्रद्धालु

हिसार। महाभारतकाल के साक्ष्यों के पोषक प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम द्वारा हिसार में सिरसा रोड पर स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में निशुल्क ताली कीर्तन का आयोजन पूरी श्रद्धा के साथ किया गया। इस ताली कीर्तन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया और ताली बजाते हुए श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। ताली कीर्तन के लिए श्याम बाबा के दरबार को सजाकर भव्य स्वरूप दिया गया। इसके साथ ही बीड़ बबरान धाम की अखंड ज्योति को भी दरबार में शोभायमान किया गया। भक्तगण श्याम बाबा दरबार व अखंड ज्योति के दर्शन करके भावविभोर हो गए। इस अवसर पर बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा ने श्याम बाबा व अन्य देवी-देवताओं की आराधना करते हुए विधि-विधान से ताली कीर्तन की शुरुआत की। विनय शर्मा ने जब जो भी मिला है श्याम से मिला है भजन गाया तो श्रद्धालु भक्तिभाव में डूबकर अभिभूत हो गए।

माडल टाउन आरडब्ल्यूए की वार्षिक बैठक आयोजित

हांसी। माडल टाउन आरडब्ल्यूए की रविवार को भिवानी रोड स्थित पार्क में वार्षिक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता एसोशिएशन प्रधान जेपी यादव ने की। बैठक में कोषाध्यक्ष मोहन लाल बंसल की अनुपस्थिति में सचिव बलराज सिंह व ज्वाइंट सेक्रेटरी ठंडी राम शर्मा ने वर्ष 2025-26 की आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। मीटिंग के दौरान मंच संचालन सुरेश ठकराल ने किया।

आयोजन मन की बात कार्यक्रम के बाद केन्द्रीय मंत्री ने ली महिलाओं की बैठक

हर नागरिक को प्रेरणा देने वाला होता है मन की बात कार्यक्रम : हर्ष मल्होत्रा

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने भारत के परमाणु कार्यक्रम की जमकर सराहना की

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। महिलाओं की बैठक को संबोधित करते केन्द्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा।

भाजपा जिला कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम उत्साह के साथ सुना गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा इसमें विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने की। केन्द्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि हिसार में आकर मन की बात कार्यक्रम सुनना उन्हें बहुत अच्छा लगा। यह उनका सौभाग्य है कि हिसार में कार्यकर्ताओं के बीच यह कार्यक्रम सुनने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम हर नागरिक को प्रेरणा देने वाला होता है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने भारत के परमाणु कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा क भारत ने हमेशा विज्ञान को राष्ट्र की प्रगति से जुड़ा हुआ माना है। इसी सोच के साथ, हमारे वैज्ञानिक अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, पूर्व सांसद डॉ. डीपी वत्स, मेयर प्रवीण पोपली, चेयरमैन रविन्द्र रॉकी, अजय गावड़, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, अनिल सैनी, कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, राजकुमार इंदौरा, अजय बैनीवाल, सरोज सिहाग, सीमा गोदारा, रीटा शर्मा, प्रोमिला पूनिया, रवीना, उषा कौशिक, रेखा सैनी, अंजू रानी आदि रहे।

महिलाओं को संबोधित किया

मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम के पश्चात केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कार्यालय में उपस्थित महिलाओं की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि किन परिस्थितियों में कांग्रेस व विपक्षी दलों ने महिला शक्ति वंदन अधिनियम पास नहीं होने दिया।

हिन्दू एकता वाहिनी की भजन संध्या में 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंजा सहकार भवन

भजन संध्या में दिखा आस्था भक्ति और श्रद्धा का संगम

करोड़ों लोग एक साथ हनुमान चालीसा का उच्चारण करें, यही हिन्दू एकता वाहिनी का मकसद : पीयूष मेहता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

तोशाम रोड स्थित आईटीआई चौक के समीप सहकार भवन में हिन्दू एकता वाहिनी की ओर से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। भाजपा की जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, रमेश कुमार तथा हिन्दू एकता वाहिनी के प्रदेशाध्यक्ष एवं भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक पीयूष मेहता ने ज्योत प्रज्वलित कर भजन संध्या का शुभारंभ किया। हिन्दू एकता वाहिनी द्वारा सहकार भवन में आकर्षक व भव्य दरबार सजाया गया था। जय श्री राम के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। हिन्दू एकता वाहिनी द्वारा सजे हुए दरबार और भक्तिमय माहौल ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया। भजन संध्या को लेकर हिन्दू एकता वाहिनी द्वारा विशेष तैयारियां की गई थीं। भजन गायक रिंकू खुराना समेत अनेक गायकों ने बाबा और माता रानी के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए और पूरा पंडाल भक्ति रस में डूब गया। पूरे कार्यक्रम में श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव का अद्भुत संगम देखने को मिला। काफी संख्या श्रद्धालुओं ने भजन संध्या में भाग लिया। भजन संध्या के बारे में हिन्दू एकता वाहिनी के प्रदेशाध्यक्ष पीयूष मेहता ने कहा कि लोग घरों में तो इष्ट देवता की पूजा करते ही हैं, हिन्दू एकता वाहिनी का उद्देश्य है कि घरों से बाहर निकलकर धार्मिक कार्यक्रमों शामिल होकर भी इष्ट देवताओं का पूजन किया जाए। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से हिन्दू एकता वाहिनी की टीम द्वारा शहर में जगह-जगह हनुमान चालीसा पाठ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले की तरह आपस में जुड़ाव रहे और समरसता की भावना पैदा हो।

हिसार। हिंदू एकता वाहिनी के कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

विकास बिश्नोई, सुरेन्द्र मेहता, मोहित गिरधर, सोनू चावला, वासदेव गेरा, विपिन, सुनील गिरधर, साहिल, रंजीव राजपाल, संदीप भाटिया, दर्शन नारंग, शाम वधवा, मनोहर लाल अनेजा, सुनीता श्योकंद, भारत भूषण शर्मा, संजय खरींटा, अनिल नारंग, यशपाल खेड़ा, अनूप, बिट्टू वर्मा, गौरव, अजय, दीपक सिंह, गौरव अरोड़ा, ललित हुड्डा, नारायण दास डावर, सज्जन धवन, विजय परुथी, विकी अरोड़ा, चंद्रशेखर, विनोद सोनी दीपक वसुजा व सभी हिन्दू एकता वाहिनी के सदस्य मौजूद थे।

धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समरसता बढ़ाने का हो रहा काम

पीयूष मेहता ने कहा कि हिन्दू एकता वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुकम सिंह भाटी व 15 राज्यों में नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष एक ऐसा सपना देख रहे हैं हिन्दुस्तान के कोने-कोने में करोड़ों लोग एक दिन और एक समय में हनुमान चालीसा का पाठ करें। इस उद्देश्य को लेकर हिन्दू एकता वाहिनी की राष्ट्रीय टीम चल रही है। राष्ट्रीय टीम के इस विजन को हरियाणा में राष्ट्रीय एकता वाहिनी की टीम पूरे जोर-शोर से आगे बढ़ाने में लगी हुई है। प्रदेशाध्यक्ष पीयूष मेहता ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में 15 राज्यों में टीम धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समरसता बढ़ाने का काम कर रही है। पूरे देश में एक साथ करोड़ों लोग हनुमान चालीसा पाठ का उच्चारण करना हिन्दू एकता वाहिनी की राष्ट्रीय टीम का मकसद है।

सर्वसम्मति से छबीलदास मोलिया जिला प्रधान व दीपक खत्री बने सचिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी शपथ ग्रहण करते हुए।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन का जिला स्तरीय 22वां त्रिवार्षिक प्रतिनिधि सम्मेलन रविवार को जाट धर्मशाला में हुआ। यह सम्मेलन राज्य प्रधान दलेल सिंह राणा, महासचिव कपिल सिरोही, सर्व कर्मचारी संघ जिला प्रधान अशोक सैनी, जिला सह सचिव विनोद प्रभाकर, जिला वित्त सचिव पवन कुमार व सेवानिवृत कर्मचारी संघ के जिला सचिव नरेश गौतम की देखरेख में हुआ। सम्मेलन में जिला सह सचिव ईश्वर मुवाल और जिला वित्त सचिव विजेंद्र खारिया ने रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिनको चर्चा के बाद सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। इसके उपरांत जिला कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा होने को लेकर जिला प्रधान रामफल शिकारपुर ने जिला कमेटी का इस्तीफा दिया। सम्मेलन का उद्घाटन हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा ने किया। प्रमोद जांगड़ा ने बताया कि केंद्र व हरियाणा की बीजेपी सरकार लगातार कर्मचारियों और आम जनता के हितों के खिलाफ काम कर रही है। सरकार लगातार आम जनता से जुड़े शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे विभागों का निजीकरण कर रही है। हरियाणा में पिछले दस वर्षों में बेरोजगारी बेतहाशा रूप से बढ़ी है।

सम्मेलन में यूनियन की जिला कमेटी का सर्वसम्मति से चुनाव करवाया गया, जिसमें पशुपालन विभाग के छबीलदास मोलिया को जिला प्रधान, सिंचाई विभाग के दीपक खत्री को जिला सचिव, गीता व ममता को उप प्रधान, विजेंद्र खारिया को कोषाध्यक्ष व ईश्वर मुवाल को सह सचिव चुना गया। सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव विनोद प्रभाकर ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ ग्रहण करवाई।

मांगों का समाधान करने की अपील

नवनिर्वाचित जिला प्रधान छबीलदास मोलिया ने कहा कि नव निर्वाचित कमेटी कर्मचारी हितों के लिए लगातार काम करेगी और सर्व कर्मचारी संघ के प्रत्येक आंदोलन में बढ़-चढ़कर भागीदारी करेगी। सम्मेलन में अग्निशमन कर्मियों की हड़ताल का समर्थन किया गया और सरकार से हड़ताली कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने की अपील की गई।

निर्माणाधीन बिल्डिंग से सामान चोरी मामले में दो काबू

हांसी। बस स्टैंड चौकी पुलिस ने निर्माणाधीन बिल्डिंग से सामान चोरी करने मामले में दो आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों के कब्जे से 1000 रुपए बरामद किए है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रेमनगर गांव निवासी आकाश उर्फ बच्ची व गामड़ी निवासी अजय के रूप में हुई है। एएसआई अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस को निर्माणाधीन बिल्डिंग से सामान चोरी होने की शिकायत मिली थी। शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी आकाश उर्फ बच्ची व अजय गिरफ्तार कर पूछताछ के दौरान आरोपियों के कब्जे से 1000 रुपये की राशि बरामद की।

न्यूज डायरी

अशोक प्रधान व राजवीर बने नामदेव समिति के सचिव

आदमपुर। संत नामदेव छिंपी समाज की बैठक संत नामदेव ट्रस्ट के प्रधान गोलू राम की अध्यक्षता में हुई। इसमें सर्वसम्मति से अशोक पवार को प्रधान, राजवीर केथ को सचिव, मेहरचंद राठौर को उपप्रधान, पृथ्वीराज राठौड़ को संरक्षक तथा विनोद पत्रकार को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक में बाकी कमेटी सदस्यों व पदाधिकारी के चयन के लिए अशोक पवार को अधिकृत किया गया। बैठक में संत नामदेव मंदिर में तथा धर्मशाला में निर्माण कार्य करवाने की जिम्मेवारी नामदेव कमेटी को सौंप गई है। इस अवसर पर धर्मशाला प्रधान राजाराम पवार, रामचंद्र भोडिया, दाताराम, क्रिसन सहित समाज के कई सदस्य मौजूद रहे।

प्राकृतिक चिकित्सा सेमिनार एवं स्वास्थ्य जांच शिविर में जांच गया स्वास्थ्य

बरवाला। बरवाला जनसेवार्थ ट्रस्ट द्वारा बरवाला जनसेवार्थ परिसर में प्राकृतिक चिकित्सा विषय पर एक सेमिनार एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. जतिंद्र गुरु कृपा आयुर्वेद एवं नेचुरोपैथी सेंटर, मानसा ने अपने व्याख्यान में मैं बीमार क्यों हूं विषय पर विस्तार से जानकारी देते हुए रोगों के मूल कारणों को समझाया। उन्होंने तनाव प्रबंधन, संतुलित पोषण एवं उचित आहार के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रभावी उपाय बताए। इस सेमिनार में लगभग 125 लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। लगभग 50 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। संस्था के प्रधान ने सभी का धन्यवाद किया और कहा कि संस्था भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी ताकि समाज को अधिक से अधिक स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

एनआईआरसी हिसार ब्रांच का बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट जारी

हिसार। चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था एनआईआरसी हिसार ब्रांच के तत्वावधान में बोर्ड ऑफ स्टडीज (ऑपरेशंस) की ओर से शुरू किया गया तीन दिवसीय बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट पूरे उत्साह के साथ जारी है। दो दिनों तक 12 टीम के बीच हुए मैच में टीम आकांक्षा, टीम सागर, टीम शुभम व टीम तारुषि ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। इन चारों टीम में से दो विजेता टीम फाइनल खेलेंगी। एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अजय गोयल ने बताया कि आईपीएल की तरह ही टीम बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट खेल रही हैं। इस टूर्नामेंट से एनआईआरसी के सदस्यों में भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे टूर्नामेंट से अनुशासन व एकजुटता का विकास होता है। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के दौरान एनआईसीएएसए चेयरमैन सीए प्रतीक आर्य व एनआईसीएएसए कोषाध्यक्ष व प्रोग्राम कॉर्डिनेटर शुभम विशेष भूमिका निभा रहे हैं। इनके साथ ही एनआईसीएएसए के वाइस चेयरमैन सारांश गोयल, सचिव प्रणाम गोयल, कल्चरल व मार्केटिंग हेड इशप्रीत कौर व ग्रीवेंस हेड प्रियांशी मित्तल भी अपनी-अपनी भूमिका अदा कर रहे हैं।

छाजूराम लॉ कॉलेज में हुआ विदाई समारोह

■ छात्रा मीनाक्षी की धमाकेदार प्रस्तुति ने समारोह में जोश और उत्साह का संचार करते हुए कार्यक्रम में खूब तालियां बटोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। छाजूराम लॉ कॉलेज में आयोजित विदाई समारोह में उपस्थित अतिथि व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

छाजू राम लॉ कॉलेज, हिसार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती वंदना से हुई, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक और मंगलमय बना दिया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार काजल ने विद्यार्थियों को अनुशासन, कड़ी मेहनत और उच्च नैतिक मूल्यों को अपनाने की सीख दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कॉलेज जीवन में अर्जित ज्ञान और अनुभव विद्यार्थियों को हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाता हैं और उन्हें सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

इसके पश्चात छात्रा मीनाक्षी की धमाकेदार प्रस्तुति ने समारोह में जोश और उत्साह का संचार करते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिनमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे माहौल को जीवंत बनाए रखा।

प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका डॉ. ज्योति बूरा, डॉ. अनीता और डॉ. कैलाशवती ने निभाई। समारोह में मिस्टर फेयरवेल का खिताब अजय तथा मिस फेयरवेल का खिताब शिवानी ने जीता, वहीं गीतीश और भव्या को क्रमशः मिस्टर एवं मिस पर्सनैलिटी चुना गया। तेजिंदर और ज्योत को मिस्टर एवं मिस ईव के विशेष खिताब से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज का समस्त टीचिंग एवं नॉन-टीचिंग स्टाफ भी उपस्थित रहा और उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यार्थियों ने भावुक माहौल में एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए यादगार पलों के साथ विदाई ली।

पंचायती सांड पर कुल्हाड़ी से हमला लोगों ने की कार्रवाई की मांग

हिसार। अग्रोहा क्षेत्र के गांव नगथला में पंचायती सांड पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसे घायल करने का मामला सामने आया है। इस घटना के रोष स्वरूप गौपुत्र सेना के पदाधिकारियों ने थाना अग्रोहा में शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गौपुत्र सेना हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद स्वामी ने बताया कि उन्हें नंगथला गांव के सुनील से सूचना मिली कि गांव के ही ओमप्रकाश उर्फ कालू ने पंचायती सांड पर कुल्हाड़ी से वार कर उसे घायल कर दिया है। सूचना मिलने पर प्रमोद स्वामी मौके पर पहुंचे, जहां धर्मेंद्र नागर, डॉ. नरेश और दीपक नायक मौजूद थे। धर्मेंद्र नागर के अनुसार, उन्होंने आरोपी को सांड पर हमला करते हुए देखा और रोकने का प्रयास किया लेकिन आरोपी बहस करने लगा। एक महिला द्वारा मना करने पर भी आरोपी ने गाली-गलौच की। घटना का वीडियो भी मौजूद है, जिससे आरोपी की पहचान संभव बताई जा रही है। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद गौपुत्र सेना के पदाधिकारी थाना अग्रोहा पहुंचे और लिखित शिकायत सौंपी।

प्रमोद स्वामी ने मांग की है कि आरोपी के खिलाफ हरियाणा गो संरक्षण एवं गोसंवर्धन एक्ट 2015 तथा पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर गौपुत्र सुनील क्रांतिकारी, दीपक, दवेंद्र, राकेश, धर्मेंद्र और नरेश सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हथकढ़ शराब निकालते एक काबू, पांच लीटर शराब व उपकरण बरामद

हांसी। हांसी सीआईए-वन ने अवैध हथकढ़ शराब निकालते हुए एक आरोपी को काबू किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान हिसार जिले के गांव पीरावाली व हाल भाटिया कालोनी निवासी गुरुचरण सिंह के रूप में हुई है।

एसआई कपिल ने बताया कि पुलिस टीम को गश्त व अपराध रोकथाम के दौरान मिली सूचना के आधार पर भाटिया कॉलोनी क्षेत्र में खरड़ चुंगी के समीप छापेमारी की गई, तो गुरचरण को अपने घर में अवैध रूप से हथकढ़ शराब निकालते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से पांच लीटर अवैध हथकढ़ शराब व शराब तैयार करने में प्रयुक्त लोहे का ड्रम, तसला, प्लास्टिक पाइप तथा मिट्टी की ढकनी भी कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी के खिलाफ खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

निकाय चुनावों में बनेगी ट्रिपल इंजन की सरकार : अशोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

प्रदेश में आगामी 10 मई को होने वाले नगर निगम और नगरपालिका चुनावों को लेकर रविवार को गांव माजरा में थोरी जाति विकास ट्रस्ट की वर्चुअल मीटिंग ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य अशोक माजरा की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में पंचकूला, अंबाला, सोनीपत नगर निगम और उकलाना, रेवाड़ी, आदि नगरपालिका चुनाव बारे और समाज के बच्चों को स्कूल, कॉलेज में एडमिशन को लेकर जागरूकता अभियान एवं सेमिनार बारे चर्चा हुई। माजरा ने बताया कि बीजेपी सरकार ने पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल में एससी, डीएससी, संत लाधू नाथजी महाराज की जयंती को सरकारी कलेंडर में शामिल करना आदि वर्षों से लम्बित अनेकों मांगों को पूरा कर समाज को अनेक उपलब्धियां दी हैं। अब समाज के बच्चे मैरिट के आधार पर बड़ी बड़ी नौकरियों पर सीधे भर्ती हो रहे हैं। पूर्व की सरकारों ने हमें केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया था। उनके कार्यकाल में हमारी एक भी मांग कभी पूरी नहीं हुई थी। बैठक में मौजूदा नगर निगम चुनाव के मध्यनजर अपने समाज एवं डीएनटी. समाज से मिलकर बीजेपी उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान कराने को लेकर प्रदेश स्तरीय टीम का गठन किया गया। ये टीम स्थानीय लोगों को साथ लेकर हर चुनाव क्षेत्र में भाजपा का प्रचार करने का काम करेगी। अशोक माजरा के नेतृत्व में प्रदेश स्तरीय टीम में ट्रस्ट संयोजक जगदीश नायक, रायसिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष जिले सिंह, प्रदेश सचिव एवं बीजेपी एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश कुमार जींद, उपाध्यक्ष भानी राम सिरसा, जितेंद्र आर्य, दादरी जिला अध्यक्ष मास्टर उदयभान छिल्लर रहेंगे।

बीजेपी ने महिला आरक्षण को परिसीमन का हथियार बनाया : प्रो. संपत सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व मंत्री प्रो. संपत सिंह ने कहा है कि लोकसभा में हाल ही में नारी शक्ति वंदन विधेयक का नाटकीय पतन कोई विधायी विफलता नहीं था। यह सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के सामने रखा गया एक आईना था जो दिखाता है कि दिखावटी नारीवाद और वास्तविक राजनीतिक इच्छाशक्ति के बीच कितनी गहरी खाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए महिला आरक्षण कभी न्याय का प्रश्न नहीं रहा। यह हमेशा छवि निर्माण, वोट बैंक और चुपचाप सत्ता के केंद्रीकरण का साधन रहा है। प्रो. संपत सिंह ने कहा कि 17 अप्रैल 2026 की इस त्रासदी को समझने के लिए भारत में मताधिकार के इतिहास पर एक नजर डालना आवश्यक है। वास्तविक बदलाव 1949 में भारत के संविधान के साथ आया, जिसने शुरुआत से ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार दिया—जो पहले के सभी कानूनों से एक बड़ा बदलाव था। बाद में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों ने स्थानीय निकायों व पंचायतों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण दिया, जिससे लाखों महिलाएं जमीनी स्तर की राजनीति में आईं। उन्होंने कहा कि 1996 में प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने महिला आरक्षण विधेयक पेश किया, लेकिन वह पारित नहीं हो सका। बाद में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी प्रयास किया, लेकिन बार-बार यह विधेयक ठंडे बस्ते में जाता रहा क्योंकि भाजपा ने कभी पूरे मन से इस विधेयक का समर्थन नहीं किया। उसने केवल औपचारिक समर्थन दिया। प्रो. संपत सिंह ने कहा कि 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम सर्वसम्मति से पारित हुआ। सभी दलों ने इसका समर्थन किया। यह पूरे सदन की सामूहिक उपलब्धि थी। तीन साल के भीतर ही उसी पार्टी ने एक नया संस्करण पेश किया जिसमें एक छिपा हुआ जहर था। सरकार ने इसके लागू होने को 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन से जोड़ दिया और जानबूझकर 2026-27 की चल रही जनगणना, जो 1931 के बाद पहली व्यापक जातिगत गणना है, को दरकिनार कर दिया।

उपलब्धि वर्तमान में विश्वविद्यालय का स्कोप्स इंडेक्स 141 है, जो इस क्षेत्र में सर्वाधिक

गुजवि बना हरियाणा राज्य सरकार का एकमात्र उत्कृष्ट विश्वविद्यालय

'टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026' में प्रथम स्थान

विवि को भारत में 76वीं और एशिया में 501-600 के बीच मिली रैंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्व स्तरीय उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए, यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने 'टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026' में राज्य के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस रैंकिंग में गुजविप्रौवि को भारत में 76वीं और 'एशिया' में 501-600 के बीच रैंक मिली है। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि 'टाइम्स हायर एजुकेशन' ने इस बार 'एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026' में मूल्यांकन के पांच मुख्य स्तंभों के आधार पर रैंकिंग जारी की है, जिनमें शिक्षण (टीचिंग), अनुसंधान वातावरण (रिसर्च इनवायर्नमेंट), अनुसंधान गुणवत्ता (रिसर्च क्वालिटी), उद्योग (इंडस्ट्री) और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण (इंटरनेशनल आउटलुक) शामिल हैं।

प्रो. बिश्नोई ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षक कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गर्व का एक ऐतिहासिक है। ये रैंकिंग हमारे समर्पित संकाय, प्रेरित विद्यार्थियों, मेहनती शोधकर्ताओं और प्रतिबद्ध कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती हैं। हम एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थान बनने की परिकल्पना से प्रेरित हैं, और 'टाइम्स' द्वारा मिली यह मान्यता हमें उस लक्ष्य के एक कदम और करीब ले जाती है। कुलपति ने यह भी बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय का स्कोप्स इंडेक्स 141 है, जो इस क्षेत्र में सर्वाधिक है। विश्वविद्यालय के 5912 शोध प्रकाशन तथा एक लाख 34 हजार से अधिक साइटेशन हैं। कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने भी विश्वविद्यालय की इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग के लिए पूरे विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. कश्मीरी लाल, आईक्यूएसी के उप-निदेशक डॉ. रमेश कुमार और आईक्यूएसी के उप-निदेशक डॉ. विक्रमजीत सिंह ने भी विश्व स्तर पर विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह विशेष उपलब्धि कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई के गतिशील, दूरदर्शी और प्रभावी मार्गदर्शन के कारण ही संभव हो पाई है।

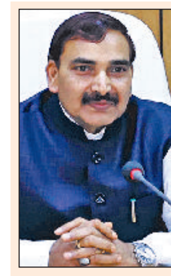

विश्वविद्यालय ने अपने समग्र स्कोर में सुधार किया

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि इस वर्ष की रैंकिंग में 'टाइम्स' ने 36 देशों के 929 विश्वविद्यालयों/उच्च शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन किया है। इसके लिए उन्हीं 18 विश्वसनीय और कठोर प्रदर्शन संकेतकों का उपयोग किया गया है, जिनका प्रयोग 'टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026' में किया गया था। एशिया के कुल 929 संस्थानों में से भारत के 163 उच्च शिक्षण संस्थानों को इस वर्ष रैंकिंग में स्थान मिला है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अपने समग्र स्कोर में सुधार किया है। जहां 2025 में यह 28.4-31.4 के बीच था, वहीं 2026 की रैंकिंग में यह बढ़कर 30.9 से 33.6 के बीच पहुंच गया है। विश्वविद्यालय ने मूल्यांकन के सभी मुख्य स्तंभों अनुसंधान गुणवत्ता, उद्योग, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण, अनुसंधान वातावरण और शिक्षण में भी अपने स्कोर में सुधार किया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005